हर घर तिरंगा अभियान एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर रिपोर्ट

14 अगस्त 2026 को अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की NSS इकाइयों I, II एवं III द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ एवं गोद लिए गए गाँव चंदावली में किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं जागरूकता की भावना को बढ़ावा देना तथा भारत विभाजन से जुड़ी पीड़ादायक घटनाओं एवं अनुभवों का स्मरण करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं NSS स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान तथा स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों से जोड़ने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि, सामूहिक वंदे मातरम् गायन, तिरंगे के साथ सेल्फी, हर घर तिरंगा रैली तथा विभाजन विभीषिका स्मृति पर डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन प्रमुख रहे। शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि के माध्यम से विद्यार्थियों एवं NSS स्वयंसेवकों ने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। सामूहिक वंदे मातरम् गायन ने प्रतिभागियों में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया। तिरंगे के साथ सेल्फी गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपने सम्मान एवं भावनात्मक जुड़ाव को उत्साहपूर्वक व्यक्त किया। हर घर तिरंगा रैली, जो बल्लभगढ़ सेक्टर-2 एवं गोद लिए गए गाँव चंदावली में निकाली गई, ने समुदाय के बीच देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का संदेश पहुँचाया तथा नागरिकों को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विभाजन विभीषिका स्मृति पर डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को विभाजन के दौरान हुए विस्थापन, पीड़ा एवं मानवीय त्रासदी से अवगत कराया गया तथा अतीत को गरिमा के साथ याद करते हुए शांतिपूर्ण एवं एकजुट भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. सी. एस. वशिष्ठ, कार्यवाहक प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया तथा इसका समन्वय डॉ. प्रियंका सहरावत, कार्यक्रम अधिकारी, NSS इकाई II; डॉ. दीपमाला धनकर, कार्यक्रम अधिकारी, NSS इकाई III; एवं सुश्री पूनम शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी, NSS इकाई I द्वारा किया गया।

इस अभियान ने विद्यार्थियों एवं युवाओं में देशभक्ति, स्मरण, एकता एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना को मजबूत किया तथा उन्हें तिरंगे का सम्मान करने और एक सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।